प्रस्तुतकर्ताः मेघराज मीना, स्नातकोत्तर शिक्षक, हिंदी केंद्रीय विद्यालय संगठन

01...स्वदेश — गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'

नाम शिक्षक: मेघराज मीना
पद: वरिष्ठ हिंदी शिक्षक
कक्षा: 8
विषय: हिंदी
पाठ योजना का स्रोत: एनसीईआरटी मल्हार पाठ्यपुस्तक, स्वदेश — गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'

अवधारणा (Concepts):

- (1) स्वयं: स्वदेश-प्रेम तथा देशभक्ति का भाव (Concept 1)
- (2) स्वयं: कर्तव्य, साहस और आत्मबल की महत्वता (Concept 2)
- (3) संसाधन पूल: कविता की भाषा, प्रतीक और भावार्थ (Concept 3)

पाठ का नाम: स्वदेश
आवश्यक काल (Periods Required): 3

अवधारणाएँ **(**न्यूनतम **3** बिंदु**)**

- देश के प्रति प्रेम और अपना योगदान देने की प्रेरणा देना।
- साहस, आत्मबल, कर्तव्य और त्याग का व्यक्तिगत विकास में महत्व।
- कविता में प्रयुक्त प्रतीकों (पत्थर, तलवार, रसधार आदि) का अर्थ एवं उनका भावार्थ स्पष्ट करना12.

अधिगम प्रतिफल **(**एनसीईआरटी **- 5** बिंदु**)**

- विद्यार्थी स्वदेश कविता का सारांश अपने शब्दों में बता सकेंगे।
- छात्र देशभक्ति व नैतिकता के मूल्यों की व्याख्या कर सकेंगे।
- कविता के प्रतीकों व काव्य शिल्प का अर्थ समझ सकेंगे।
- काव्यपंक्तियों का अर्थ सरल भाषा में स्पष्ट कर सकेंगे।
- कविता से जुड़े सामाजिक व नैतिक गुणों को जीवन में अपनाने की कोशिश करेंगे

शिक्षण विधियाँ (न्यूनतम **5** बिंदु)

- भाव-पाठ व वाचन अभ्यास।
- कविता की भावार्थ-चर्चा एवं प्रश्नोत्तर शैली।
- समूह चर्चा व पोस्टर निर्माण गतिविधि।
- रोल-प्ले के माध्यम से देशभक्ति का अभिनय।
- रचनात्मक लेखन: अनुच्छेद, कविता या भाषण

अन्य विषयों से संबंध (इंटीग्रेशन **—5** बिंदु)

- सामाजिक विज्ञान: नागरिकता एवं राष्ट्रीय कर्तव्य अवधारणा।
- संगीत: देशभक्तिपरक गीत गायन।
- कला: देशप्रेम पर पोस्टर, चित्र बनाना।
- नैतिक शिक्षा: जीवन में जिम्मेदारी, साहस का अभ्यास।
- सूचना-प्रौद्योगिकी: कविता के आधार पर डिजिटल प्रजेंटेशन बनाना

मूल्यांकन (आइटम स्वरूप **— 5** बिंदु)

- कविता का सरलार्थ लिखना।
- खाली स्थान भरना व सत्य-असत्य प्रश्न।
- महत्वपूर्ण पंक्तियाँ पहचानना।
- लघु उत्तर/ दीर्घ उत्तर लिखना।
- रचनात्मक कार्य: कविता/पोस्टर/भाषण निर्माण

संसाधन (डिजिटल/ भौतिक **— 5** बिंदु)

- मल्हार एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक।
- ऑडियो-विजुअल - कविता का वाचन वीडियो।
- प्रोजेक्टर, स्मार्टबोर्ड आदि डिजिटल संसाधन।
- वर्कशीट व प्रश्न पत्र।
- रंगीन चाट, शिल्प-सामग्री.

विस्तार/ जीवन उपयोगिता (**5** बिंदु)

- नागरिक कर्तव्यों का महत्व पहचानना।

- सामाजिकता में देशप्रेम की भूमिका समझना।
- नैतिक निर्णयों में कविता के भावों का उपयोग।
- जीवन में साहस, आत्मबल विकसित करना।
- रचनात्मक अभिव्यक्ति व संप्रेषण कौशल का विकास[13].

21वीं सदी की कौशल**,** मूल्य एवं व्यवसायिक शिक्षा **(5** बिंदु**)**

- संवाद कौशल का विकास।
- डिजिटल एवं सूचना प्रबंधन क्षमता।
- टीमवर्क एवं सहकारिता कौशल।
- नेतृत्व एवं समस्या-समाधान क्षमता।
- नैतिकता, जिम्मेदारी एवं आत्म-प्रेरणा2[1].

पश्च**-**शिक्षण पराविचार **(2** बिंदु**)**

- कुछ विद्यार्थियों ने कविता की भाषा व प्रतीकों में कठिनाई अनुभव की।
- समूह कार्य ने सभी के रचनात्मक विचार उजागर किए।

उपचारात्मक शिक्षण नियोजन **(3** बिंदु**)**

- कविता के कठिन शब्दों व प्रतीकों की पुनरावृत्ति।
- सरल भाषा में पुनः भावार्थ समझाना।
- व्यक्तिगत सहायक गतिविधियों के माध्यम से कमजोर छात्रों को सशक्त बनाना।

कुल आवश्कीय काल

- 3 पीरियड्स

02...पाठ योजना – “दो गौरैयाँ” (लेखक: भीष्म साहनी)

शिक्षक: मेघराज मीना
पद: स्नात्कोत्तर शिक्षक
कक्षा: 8
विषय: हिंदी
पाठ का नाम: दो गौरैयाँ
पाठ्यपुस्तक: मल्हार (एनसीईआरटी)
पाठ योजना स्रोत: स्वयं एवं संसाधन-संग्रह (resource pool)
पाठ पढ़ाने हेतु आवश्यक कालखंड (पीरियड): 3

मुख्य अवधारणाएँ **(Concepts):**

- ● स्वयं: “जीवों के साथ सह-अस्तित्व” (मानवीय करुणा और सहानुभूति)12
- ● संसाधन-संग्रह: “पारिवारिक संबंध एवं जिम्मेदारी” (परिजनों के दृष्टिकोण में बदलाव)1
- ● स्वयं: “प्राकृतिक आवास और जीव-जगत” (प्राकृतिक परिवेश व चिड़िया का घर)13

सीखने के परिणाम (एनसीईआरटी अनुसार):

- ● छात्र कहानी का सारांश एवं भाव स्पष्ट रूप से बता सकेंगे।
- ● महत्वपूर्ण पात्रों (माँ, पिताजी, गौरैयाँ) का विश्लेषण कर पाएँगे।
- ● मानवीय दृष्टिकोण और सह-अस्तित्व की भावना समझ पाएँगे।
- ● पारिवारिक और सामाजिक मूल्य स्पष्ट रूप से पहचानेंगे।
- ● छोटे-छोटे जीवों की महत्ता और संवेदनशीलता को रेखांकित कर सकेंगे13।

शिक्षण विधियाँ/शैक्षणिक रणनीतियाँ:

- ● कहानीवाचन व भावनात्मक चर्चा द्वारा विषय स्पष्ट करें।
- ● समूह चर्चा आयोजित कर पात्रों की विशेषताएँ निकलवाएँ।
- ● दृश्य-श्रव्य सामग्री/पिक्चर कार्ड्स से समझ बढ़ाएँ।
- ● लेखन कार्य—मुख्य घटनाओं का अनुक्रमित विवरण लिखवाएँ।
- ● विद्यार्थियों से प्रश्नोत्तर व भूमिका-नाट्य (रोल प्ले) कराएँ।

अन्य विषयों के साथ समन्वयन:

- ● विज्ञान: जीव-जंतुओं का पर्यावरण में महत्व समझाएँ।

- ● नैतिक शिक्षा: करुणा, संवेदना व सहिष्णुता का विस्तार।
- ● सामाजिक विज्ञान: मानव व अन्य जीवों का सह-अस्तित्व।
- ● चित्रकला: गौरैया, घर, परिवेश का चित्रण।
- ● भाषा: कहानी-लेखन एवं संवाद प्रस्तुति[1]3।

आकलन **(**मूल्यांकन प्रारूप**):**

- ● लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर।
- ● दृश्य देखकर दृश्यान्त प्रश्न (Visual based questions)।
- ● भावानुसार उचित शीर्षक चयन।
- ● मुख्य विचारों का लेखन।
- ● वास्तविक जीवन से प्रासंगिक दृष्टांत प्रस्तुत करना।

संसाधन/डिजिटल व भौतिक**:**

- ● एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक 'मल्हार'।
- ● यूट्यूब वीडियो/एनिमेटेड कहानी3।
- ● चित्र/पोस्टर/चार्ट।
- ● ऑडियो क्लिप व कहानी वाचन सामग्री।
- ● फ्लिपकार्ड्स, रोल-प्ले सामग्री3।

विस्तार/वास्तविक जीवन में उपयोग**:**

- ● पक्षियों के लिए घर में दाना-पानी रखना।
- ● प्रकृति-संरक्षण अभियान में भागीदारी।
- ● चिड़ियों के आवास बचाने के लिए चर्चा।
- ● दया व संवेदना का पालन रोज़मर्रा जीवन में।
- ● घर, मोहल्ले में छोटे जीवों की देखभाल करना।

21वीं सदी के कौशल**,** नैतिक शा**,** व्यवसायिक कौशल**:**

- ● संचार एवं संवाद कौशल।
- ● समस्या समाधान व सहकारिता।
- ● सह-अस्तित्व की नैतिकता।

- ● पर्यावरणीय चेतना एवं पहल।
- ● नेतृत्व व जिम्मेदारी निभाने की क्षमता।

पोस्ट टिचिंग रिफ्लेक्शन:

- ● बच्चों ने भावनात्मक पहलू समझा या नहीं, उसकी समीक्षा।
- ● समूह-अभ्यास व कक्षा-प्रदर्शन की प्रभावशीलता पर विचार-विमर्श।

सुधारात्मक शिक्षण के लिए योजना:

- ● पात्रों के दृष्टिकोण की गहनता पुनः समझाना।
- ● भाव एवं विचारों की पहचान कराने वाले अतिरिक्त अभ्यास।
- ● कहानी के नैतिक संकेत स्पष्ट करने हेतु विशेष कक्षा।

कुल पीरियड: 3

03...पाठ योजना – “एक आशीर्वाद” (कवि: दुष्यंत कुमार)

शिक्षक: मेघराज मीना
पद: स्नात्कोत्तर शिक्षक

कक्षा: 8
विषय: हिंदी
पाठ का नाम: एक आशीर्वाद
पाठ्यपुस्तक: मल्हार (एनसीईआरटी)
पाठ योजना स्रोत: स्वयं एवं संसाधन-संग्रह
पाठ पढ़ाने हेतु आवश्यक कालखंड (पीरियड): 3

मुख्य अवधारणाएँ **(Concepts):**

- ● स्वयं: “सपनों का महत्व और आत्मनिर्भरता” (आत्मविश्वास बढ़ाना)
- ● संसाधन-संग्रह: “प्रोत्साहन व आशावादिता” (सकारात्मक दृष्टिकोण जीवन में)
- ● स्वयं: “अनुभव से सीखने की प्रक्रिया” (सीखने का क्रियात्मक दृष्टिकोण)

सीखने के परिणाम (एनसीईआरटी अनुसार):

- ● छात्र कविता का सारांश व भाव स्पष्ट रूप से लिख सकेंगे।
- ● कविता में प्रस्तुत संदेश व जीवन-मूल्य समझ पाएँगे।
- ● दुष्यंत कुमार के काव्य-शैली की विशेषताओं का आकलन करेंगे।
- ● व्यक्तिगत जीवन में कविता के संदेश का प्रयोग बताएँगे।
- ● कठिन शब्दों के अर्थ और उनका उपयोग जान पाएँगे।

शिक्षण विधियाँ/शैक्षणिक रणनीतियाँ:

- ● कविता का पंक्ति-दर-पंक्ति अर्थ वाचन और चर्चा।
- ● वीडियो/ऑडियो संसाधनों से कविता का भाव ग्रहण।
- ● समूह गतिविधि में स्वप्न और लक्ष्य पर चर्चा कराना।
- ● कक्षा चर्चा- ‘आशीर्वाद’ की अवधारणा पर विचार।
- ● प्रेरणादायक प्रसंग व अनुभव बाँटना।

अन्य विषयों के साथ समन्वयन:

- ● सामाजिक विज्ञान: व्यक्तित्व विकास और आत्मनिर्भरता।
- ● विज्ञान: अनुभव और प्रयोग द्वारा सीखना।
- ● चित्रकला: आशीर्वाद, स्वप्न और प्रयास का चित्रण।
- ● युक्ति-विज्ञान: समस्याओं का समाधान ढूँढना।
- ● नैतिक शिक्षा: सकारात्मक सोच और आशावाद।

आकलन (मूल्यांकन प्रारूप):

- ● कविता आधारित लघु उत्तर प्रश्न।
- ● भाव स्पष्ट करने वाले प्रश्न।
- ● कविता के मुख्य विचार लिखना।
- ● शिक्षार्थियों के स्वप्न व प्रयास साझा कराना।
- ● कविता से जुड़ा एक प्रेरक प्रसंग लिखवाना।

संसाधन/डिजिटल व भौतिक:

- ● मल्हार एनसीईआरटी का पाठ्यपाठ।
- ● कविता के ऑडियो/वीडियो।
- ● चित्र-चार्ट, पोस्टर।
- ● शब्दार्थ फ्लैशकार्ड।
- ● ऑनलाइन अभ्यास सामग्री।

विस्तार/वास्तविक जीवन में उपयोग:

- ● स्वप्न निर्धारण और उन्हें पाने के प्रयास।
- ● आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा।
- ● छोटी-छोटी उपलब्धियों पर उत्साह।
- ● चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उत्साह न खोना।
- ● जीवन में सकारात्मक सोच अपनाना।

21वीं सदी के कौशल, नैतिक शा, व्यवसायिक कौशल:

- ● आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता।
- ● रचनात्मक सोच और समस्या समाधान।
- ● सहयोग व टीमवर्क।
- ● नेतृत्व कौशल।
- ● जीवन में अनुकूलन क्षमता व लचीलापन।

पोस्ट-टिचिंग रिफ्लेक्शन:

- ● क्या विद्यार्थियों ने कविता का भाव विख्यात रूप में समझा?

- ● शिक्षण विधि में सुधार की आवश्यकता किन बिंदुओं पर महसूस हुई?

सुधारात्मक शिक्षण के लिए योजना:

- ● कविता के कठिन शाब्दिक अर्थ दोहराना।
- ● भाव स्पष्ट करने के लिए अतिरिक्त उदाहरण।
- ● प्रेरक प्रसंग/कहानियों द्वारा आत्मबल बढ़ाना।

कुल पीरियड: 3

04...पाठ योजना – “हरिद्वार” (कवि: भारतेंदु हरिश्चंद्र)

शिक्षक: मेघराज मीना
पद: स्नात्कोत्तर शिक्षक
कक्षा: 8
विषय: हिंदी
पाठ का नाम: हरिद्वार
पाठ्यपुस्तक: मल्हार (एनसीईआरटी)
पाठ योजना स्रोत: स्वयं एवं संसाधन-संग्रह
पाठ पढ़ाने हेतु आवश्यक कालखंड (पीरियड): 3

मुख्य अवधारणाएँ **(Concepts):**

- ● स्वयं: “तीर्थ यात्रा का सांस्कृतिक महत्व” (परंपरा एवं धार्मिकता)
- ● संसाधन-संग्रह: “हरिद्वार का प्राकृतिक सौंदर्य एवं पावनता” (प्राकृतिक दृश्यों का चित्रण)
- ● स्वयं: “भक्तिमय वातावरण का समाज पर प्रभाव” (सामूहिक भावना)

सीखने के परिणाम **(**एनसीईआरटी अनुसार**):**

- ● छात्र कविता का अर्थ एवं भाव स्पष्ट रूप से व्यक्त करेंगे।
- ● हरिद्वार के धार्मिक, ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करेंगे।
- ● कवि की भाषा-शैली और प्रतीकों की पहचान करेंगे।
- ● नैतिक मूल्य, श्रद्धा व भारतीय संस्कृति को समझ पाएँगे।
- ● कविता में प्रयुक्त बिंब, प्रतीक और आलंकारिक भाषा की व्याख्या करेंगे।

शिक्षण विधियाँ**/**शैक्षणिक रणनीतियाँ**:**

- ● कविता का पंक्ति-दर-पंक्ति अध्ययन एवं विचार विमर्श।
- ● चित्र या वीडियो के माध्यम से हरिद्वार का दृश्य प्रस्तुत करना।
- ● समूह चर्चा—छात्रों द्वारा तीर्थ यात्रा के अनुभव साझा कराना।
- ● कविता संबंधी प्रश्नोतरी, शब्दार्थ, भावार्थ लेखन।
- ● रचनात्मक गतिविधि—हरिद्वार पर चित्र या रचनाएँ बनवाना।

अन्य विषयों के साथ समन्वयन**:**

- ● भूगोल: गंगा नदी, तीर्थों का भौगोलिक महत्व।
- ● सामाजिक विज्ञान: भारतीय सांस्कृतिक विरासत।
- ● विज्ञान: नदियों का पारिस्थितिक, सामाजिक योगदान।
- ● कला: तीर्थ स्थल व प्राकृतिक दृश्यों का चित्रण।
- ● नैतिक शिक्षा: सामूहिक हीत व आस्था के भाव।

आकलन **(**मूल्यांकन प्रारूप**):**

- ● लघु उत्तरीय प्रश्न, कविता का सारांश लिखना।
- ● हरिद्वार पर अपने अनुभव या कल्पना आधारित अनुच्छेद।
- ● कविता के कठिन शब्दों के अर्थ लिखाना।

- ● कविता में प्रयुक्त बिंबों की व्याख्या।
- ● दृश्य पर आधारित प्रश्न या पोस्टर प्रस्तुति।

संसाधन/डिजिटल व भौतिक:

- ● मल्हार एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तक।
- ● हरिद्वार के वीडियो, चित्र/पोस्टर।
- ● कविता की ऑडियो क्लिप, भावार्थ सामग्री।
- ● मानचित्र/गंगा नदी के चित्र।
- ● फ्लैशकार्ड्स, शब्दार्थ तालिका।

विस्तार/वास्तविक जीवन में उपयोग:

- ● तीर्थ यात्रा के अनुभव साझा करना।
- ● धार्मिक स्थलों का संवेदनशीलता से संरक्षण।
- ● जल स्रोतों की स्वच्छता का महत्व जानना।
- ● सामूहिक प्रार्थना, संयम व एकता का अनुसरण।
- ● परंपरा व संस्कृति के प्रति आदर भाव विक्सित करना।

21वीं सदी के कौशल**,** नैतिक शिक्षा**,** व्यवसायिक कौशल**:**

- ● सांस्कृतिक पहचान और संवाद कौशल।
- ● संवेदनशीलता एवं सहिष्णुता का विकास।
- ● जीवन मूल्यों की समझ व प्रयोग।
- ● सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरणीय चेतना।
- ● अनुशासन, सहभागिता और नेतृत्व क्षमता।

पोस्ट-टिचिंग रिफ्लेक्शन:

- ● क्या छात्र कविता के भाव और सांस्कृतिक महत्व को समझ सके?
- ● रचनात्मक गतिविधियों व समूह चर्चा की प्रभावशीलता का विश्लेषण।

सुधारात्मक शिक्षण के लिए योजना:

- ● कविता के बिंब, प्रतीक व भावार्थ को दोहराना।
- ● हरिद्वार के सांस्कृतिक, धार्मिक संदर्भों को विशेष रूप से स्पष्ट करना।

- ● कठिन शब्दों व पद्य के अर्थ-व्याख्या हेतु अतिरिक्त अभ्यास कक्षा।

कुल पीरियड: 3

05...पाठ योजना – “कबीर के दोहे” (कवि: कबीर)

शिक्षक: मेघराज मीना
पद: स्नात्कोत्तर शिक्षक
कक्षा: 8
विषय: हिंदी
पाठ का नाम: कबीर के दोहे
पाठ्यपुस्तक: मल्हार (एनसीईआरटी)
पाठ योजना स्रोत: स्वयं एवं संसाधन-संग्रह
पाठ पढ़ाने हेतु आवश्यक कालखंड (पीरियड): 3

मुख्य अवधारणाएँ **(Concepts):**

- ● स्वयं: “सत्य और ईमानदारी का महत्व” – कबीर के दोहों में हृदय की शुद्धता।
- ● संसाधन-संग्रह: “अति सर्वथा हानिकारक है” – जीवन में समता का संदेश।
- ● स्वयं: “सच्चे गुरु और संगति की भूमिका” – गुरु और संगति से जीवन सुधरता है।

सीखने के परिणाम (एनसीईआरटी अनुसार):

- ● विद्यार्थी कबीर के दोहों का अर्थ सरल भाषा में समझ सकेंगे।
- ● दोहों के माध्यम से जीवन-मूल्य जैसे सत्य, संतुलन और सद्गुण समझेंगे।
- ● गुरु-शिष्य संबंध और मित्रता की महत्ता पहचानेंगे।
- ● सामाजिक व्यवहार और नैतिकता की अवधारणाएं सीखेंगे।
- ● दोहों में प्रयुक्त शब्दों और शैली का विश्लेषण कर पाएँगे।

शिक्षण विधियाँ/शैक्षणिक रणनीतियाँ:

- ● दोहों का पाठ सस्वर स्पष्ट वाचन द्वारा कराएँ।
- ● पंक्ति-दर-पंक्ति अर्थ और भाव को समझाएं।
- ● समूह चर्चा में दोहों के जीवनोपयोगी संदेश पर विचार-विमर्श।
- ● रचनात्मक कार्य- दोहों पर चित्र, पोस्टर निर्माण।
- ● विद्यार्थियों से अपने अनुभवों के आधार पर दोहा व्यक्त कराना।

अन्य विषयों के साथ समन्वयन:

- ● नैतिक शिक्षा: सदाचार, संतुलन और सहिष्णुता।
- ● सामाजिक विज्ञान: समाज में गुरु-शिष्य और संगति के प्रभाव।
- ● कला: दोहों के भावों पर चित्रांकन और नाट्य प्रस्तुतियाँ।
- ● भाषा: दोहों की भाषा, अनुप्रास, और अर्थ-विचार।
- ● संगीत: दोहों का गायन और लोकसंगीत से परिचय।

आकलन (मूल्यांकन प्रारूप):

- ● दोहों के भावार्थ के प्रश्न।
- ● कक्षा में दोहा कार्यान्वित कर बोलने को कहना।
- ● दोहों के संदर्भ में लघु निबंध लेखन।
- ● भावानुसार चित्र या पोस्टर प्रस्तुति।
- ● कठिन शब्दों का अर्थ लिखकर प्रस्तुत करना।

संसाधन/डिजिटल व भौतिक:

- ● मल्हार एनसीईआरटी पुस्तक।

- ● कबीर के दोहों की ऑडियो-वीडियो सामग्री।
- ● चित्र, पोस्टर, और फ्लैशकार्ड्स।
- ● श्यामपट और दोहे उद्धरण संग्रह।
- ● डिजिटल क्विज़ व अभ्यास कार्यपत्र।

विस्तार/वास्तविक जीवन में उपयोग:

- ● सत्यनिष्ठा और ईमानदारी का पालन।
- ● अतिवाद से बचाव और संतुलित जीवन अपनाना।
- ● अच्छे गुरु तथा मित्रों की संगति की महत्ता।
- ● नकारात्मक आलोचना से शांतिपूर्ण व्यवहार सीखना।
- ● सरल और सच्चे जीवन मूल्यों को अंगीकार करना।

21वीं सदी के कौशल, नैतिक शिक्षा, व्यवसायिक कौशल:

- ● संवाद और सामाजिक कौशल।
- ● आलोचनात्मक सोच और निर्णय क्षमता।
- ● नैतिकता, सहिष्णुता और नेतृत्व गुण।
- ● रचनात्मकता और भाव-प्रस्तुति क्षमता।
- ● जीवन में विवेकपूर्ण समता बनाए रखने की कला।

पोस्ट-टिचिंग रिफ्लेक्शन:

- ● क्या छात्र दोहों के भाव को अपनी ज़िंदगी में उतार पाए?
- ● शिक्षण पद्धति कितनी प्रभावी रही, सुधार की गुंजाइश कहाँ है?

सुधारात्मक शिक्षण के लिए योजना:

- ● दोहों के कठिन अंशों के बार-बार अर्थ समझाना।
- ● भावार्थ स्पष्ट करने के लिए अतिरिक्त उदाहरण व गतिविधियाँ।
- ● नैतिक मूल्य एवं सामाजिक सन्दर्भ पर विशेष कक्षा लेना।

कुल पीरियड: 3

यह पाठ योजना कबीर के सुप्रसिद्ध दोहों के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिकता, सामाजिकता और जीवन के सही मूल्यों को विकसित करने हेतु तैयार की गई है।

06...पाठ योजना – “एक टोकरी भर मिट्टी” (कवि: माधवराव सप्रे)

शिक्षक: मेघराज मीना
पद: स्नात्कोत्तर शिक्षक
कक्षा: 8
विषय: हिंदी
पाठ का नाम: एक टोकरी भर मिट्टी
पाठ योजना स्रोत: स्वयं एवं संसाधन-संग्रह
पाठ पढ़ाने हेतु आवश्यक कालखंड (पीरियड): 3

मुख्य अवधारणाएँ **(Concepts):**

- ● स्वयं: “सामाजिक न्याय और गरीबों के प्रति संवेदना” — वृद्धा की पीड़ा और समाज की भूमिका।
- ● संसाधन-संग्रह: “धन-पशुओं का अहंकार और उसके सामाजिक प्रभाव” — ज़मींदार का व्यवहार।
- ● स्वयं: “संवेदनशीलता और क्षमाशीलता” — अंत में ज़मींदार का परिवर्तन।

सीखने के परिणाम **(NCERT** अनुसार**):**

- ● छात्र कहानी का सारांश और मुख्य भाव स्पष्ट कर सकेंगे।
- ● नैतिक एवं सामाजिक संदेशों को पहचान सकेंगे।

- ● पात्रों के मनोभाव व उनके चरित्र का विश्लेषण कर पाएँगे।
- ● सामाजिक अन्याय के प्रति जागरूकता विकसित करेंगे।
- ● कठिन शब्दों का अर्थ समझकर उनका उपयोग कर पाएँगे।

शिक्षण विधियाँ / शैक्षणिक रणनीतियाँ:

- ● कहानी की वाचन एवं सम्यक् अर्थ-विवरण कराना।
- ● पंक्ति-दर-पंक्ति प्रश्नोत्तर द्वारा समझ विकसित करना।
- ● भूमिका-नाट्य द्वारा पात्रों की भाव-उपस्थिति दर्शाना।
- ● समूह चर्चा से सामाजिक विषयों पर विचार-विमर्श कराना।
- ● रचनात्मक लेखन कार्य—कहानी पर व्यक्तिगत अनुभूति लिखवाना।

अन्य विषयों के साथ समन्वयन:

- ● सामाजिक विज्ञान: सामाजिक न्याय एवं अधिकारों की जानकारी।
- ● नैतिक शिक्षा: करुणा, संवेदनशीलता और क्षमा का विकास।
- ● भाषा: शब्दावली व लेखन कौशल का विकास।
- ● कला: झोपड़ी, पात्रों की चित्रकारी और नाट्य प्रस्तुति।
- ● पर्यावरण अध्ययन: प्राकृतिक संसाधनों का महत्व चर्चा।

आकलन (मूल्यांकन प्रारूप):

- ● कहानी आधारित लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर।
- ● पात्रों के भाव व चरित्र पर निबंध लेखन।
- ● मुख्य विचारों का संक्षिप्त सार प्रस्तुत करना।
- ● कहानी के नैतिक संदेश पर मौखिक प्रस्तुति।
- ● कठिन शब्दों के अर्थ व प्रयोग का परीक्षण।

संसाधन / डिजिटल / भौतिक:

- ● एनसीईआरटी पुस्तक ‘मल्हार’।
- ● कहानी की ऑडियो-वीडियो सामग्री।
- ● पात्र चित्र, पोस्टर व फ्लैशकार्ड।
- ● नाट्य सामग्री व भूमिका-निर्देशन।

- ● स्थानीय सामाजिक संदर्भ से जुड़े उदाहरण।

विस्तार / वास्तविक जीवन में उपयोग:

- ● गरीबों के प्रति सहानुभूति विकसित करना।
- ● सामाजिक अन्याय के प्रति जागरूक रहना।
- ● क्षमा और दया के व्यवहार को अपनाना।
- ● पारिवारिक और सामाजिक जिम्मेदारियों को समझना।
- ● झोपड़ी जैसी सामान्य वस्तु का महत्व समझना।

21वीं सदी के कौशल, मूल्य शिक्षा, व्यवसायिक कौशल:

- ● संवेदनशीलता व सहानुभूति कौशल।
- ● संवाद और कार्यकुशलता में सुधार।
- ● आलोचनात्मक सोच और नैतिक मूल्यांकन।
- ● टीमवर्क और नेतृत्व कौशल।
- ● सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी।

पोस्ट-टिचिंग रिफ्लेक्शन:

- ● क्या छात्र कहानी की सामाजिक और नैतिक सीख को आत्मसात कर पाए?
- ● शिक्षण के तरीकों में सुधार के लिए सुझाव क्या हैं?

सुधारात्मक शिक्षण के लिए योजना:

- ● पात्रों और उनकी मनोस्थिति पर पुनः चर्चा।
- ● कठिन शब्द और भावार्थ की पुनरावृत्ति।
- ● सामाजिक अन्याय व संवेदनशीलता से संबंधित अतिरिक्त उदाहरण।

कुल पीरियड: 3

यह पाठ योजना “एक टोकरी भर मिट्टी” कहानी के माध्यम से विद्यार्थियों को सामाजिक न्याय, नैतिक शिक्षा और भाषा कौशल से लैस करने हेतु तैयार की गई है।

07...पाठ योजना – “मत बाँधो” (कवि: महादेवी वर्मा)

शिक्षक: मेघराज मीना
पद: स्नात्कोत्तर शिक्षक
कक्षा: 8
विषय: हिंदी
पाठ का नाम: मत बाँधो
पाठ योजना स्रोत: स्वयं एवं संसाधन-संग्रह
पाठ पढ़ाने हेतु आवश्यक कालखंड (पीरियड): 3

मुख्य अवधारणाएँ **(Concepts):**

- ● स्वयं: “स्वतंत्रता और कल्पना की उड़ान” – सपनों की सीमा रहितता।
- ● संसाधन-संग्रह: “प्राकृतिक और ब्रह्माण्डीय छवियाँ” – कविता में सौरमंडल, गगन का महत्व।
- ● स्वयं: “अवरोधों से मुक्ति व सृजनशीलता” – सपनों में गतिशीलता एवं प्रेरणा।

सीखने के परिणाम **(NCERT** अनुसार**):**

- ● छात्र कविता के भाव और मुख्य विषय को स्पष्ट समझ पाएंगे।
- ● महादेवी वर्मा की भावपूर्ण भाषा और शैली को पहचानेंगे।
- ● स्वतंत्रता, सृजनशीलता और प्रतिबंधों के प्रभाव को समझेंगे।
- ● प्राकृतिक प्रतीकों और उनका प्रतीकात्मक अर्थ जानेंगे।
- ● कविता के कठिन शब्दों के अर्थ सीखकर संवाद में प्रयोग कर सकेंगे।

शिक्षण विधियाँ / शैक्षणिक रणनीतियाँ:

- ● कविता का सस्वर स्पष्ट वाचन एवं अर्थ-विवरण।

- ● पंक्ति-दर-पंक्ति भावार्थ समझाने के लिए प्रश्नोत्तर।
- ● समूह चर्चा: सपनों की स्वतंत्रता पर संवाद।
- ● चित्रात्मक प्रस्तुतियाँ द्वारा कविता के प्रतीकों का विश्लेषण।
- ● रचनात्मक लेखन: सपनों एवं स्वतंत्रता पर निबंध या कविता लेखन।

अन्य विषयों के साथ समन्वयन:

- ● विज्ञान: सौरमंडल, आकाश, एवं प्राकृतिक घटनाओं का अध्ययन।
- ● सामाजिक विज्ञान: स्वतंत्रता और व्यक्तिगत अधिकार।
- ● कला: कविता के भावों का चित्रण और रंगों का प्रयोग।
- ● नैतिक शिक्षा: स्वतंत्रता, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास।
- ● भाषा: साहित्यिक उपकरणों एवं छन्दशास्त्र की जानकारी।

आकलन (मूल्यांकन प्रारूप):

- ● कविता के भावार्थ लिखित प्रश्न।
- ● शब्दार्थ के आधार पर वाक्य निर्माण।
- ● कविता के मुख्य विचारों पर मौखिक प्रस्तुति।
- ● समूह में स्वतंत्रता विषय पर संवाद एवं रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
- ● कविता आधारित लघु निबंध लेखन।

संसाधन / डिजिटल / भौतिक:

- ● मल्हार (एनसीईआरटी) पाठ्यपुस्तक।
- ● महादेवी वर्मा की कविताओं की ऑडियो-वीडियो संसाधन।
- ● ब्रह्माण्ड और प्राकृतिक दृश्यों के चित्र।
- ● फ्लैशकार्ड, पोस्टर एवं चार्ट।
- ● डिजिटल क्विज़ और इंटरैक्टिव अभ्यास सामग्री।

विस्तार / वास्तविक जीवन में उपयोग:

- ● विद्यार्थी अपने सपनों की स्वतंत्रता का सम्मान करना सीखेंगे।
- ● बाधाओं के बावजूद सकारात्मक सोच बनाए रखेंगे।
- ● सृजनात्मकता एवं कल्पनाशीलता को विकसित करेंगे।

- ● आज़ादी के महत्व को समझकर सामाजिक व्यवहार सुधारेंगे।
- ● जीवन में नवोन्मेष और नेतृत्व क्षमता निर्माण करेंगे।

21वीं सदी के कौशल**,** मूल्य शिक्षा**,** व्यवसायिक कौशल**:**

- ● आलोचनात्मक एवं रचनात्मक सोच कौशल विकसित करना।
- ● संवाद और सार्वजनिक अभिव्यक्ति क्षमता बढ़ाना।
- ● सहिष्णुता, नेतृत्व और टीमवर्क की समझ।
- ● आत्मविश्वास और मानसिक लचीलापन।
- ● सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से ज्ञान प्राप्ति।

पोस्ट-टिचिंग रिफ्लेक्शन**:**

- ● क्या छात्र कविता के विचारों से जुड़ पाए और अपने अनुभव साझा किए?
- ● किस शिक्षण विधि ने अधिक प्रभावी परिणाम दिया, समीक्षा आवश्यक।

सुधारात्मक शिक्षण के लिए योजना**:**

- ● कठिन पंक्तियों और शब्दार्थ पर पुनरवलोकन।
- ● सपनों की स्वतंत्रता पर अधिक संवादात्मक क्रियाएँ।
- ● रचनात्मक अभिव्यक्ति एवं समूह गतिविधियों को प्रोत्साहित करना।

कुल पीरियड**:** 3

यह पाठ योजना “मत बाँधो” कविता के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वतंत्रता, कल्पना और सकारात्मक सोच को विकसित करने हेतु तैयार की गई है।

08...पाठ योजना – “नए मेहमान” (लेखक: उदयशंकर भट्ट)

शिक्षक: मेघराज मीना
पद: स्नात्कोत्तर शिक्षक
कक्षा: 8
विषय: हिंदी
पाठ का नाम: नए मेहमान
पाठ योजना स्रोत: स्वयं एवं संसाधन-संग्रह
पाठ पढ़ाने हेतु आवश्यक कालखंड (पीरियड): 3

मुख्य अवधारणाएँ **(Concepts):**

- ● स्वयं: “महानगरों में आवास समस्या” — जीवन की जटिलता एवं सीमित संसाधन।
- ● संसाधन-संग्रह: “पड़ोसियों के साथ संघर्ष और सह-अस्तित्व” — सामाजिक तनाव व सहनशीलता।
- ● स्वयं: “परिवार और सामंजस्य की भूमिका” — पारिवारिक सदस्यों का सहयोग और समझ।

सीखने के परिणाम **(NCERT** अनुसार**):**

- ● छात्र एकांकी का सार और मुख्य विषय स्पष्ट कर सकेंगे।
- ● महानगरों की जीवनशैली एवं समस्याओं को समझेंगे।
- ● परिवार और सामाजिक संबंधों पर एकांकी के संदेश को पहचानेंगे।
- ● पात्रों के मनोभाव एवं संवाद का विश्लेषण कर सकेंगे।
- ● भाषा और शैली के विशेषताओं का आकलन करेंगे।

शिक्षण विधियाँ / शैक्षणिक रणनीतियाँ:

- ● एकांकी का सजीव वाचन एवं पात्रों के संवाद पर चर्चा।
- ● पात्रों के भाव और घटनाओं की भूमिका-नाट्य के माध्यम से प्रस्तुति।
- ● समूह चर्चा: महानगरों की समस्याओं और समाधान पर।
- ● संवाद-आधारित प्रश्नोत्तर से समझ बढाना।
- ● रचनात्मक लेखन: पात्रों के विचारों पर निबंध या अनुच्छेद।

अन्य विषयों के साथ समन्वयन:

- ● सामाजिक विज्ञान: शहरी जीवन की चुनौतियाँ और सामाजिक व्यवहार।
- ● नैतिक शिक्षा: सहिष्णुता, समझदारी और सामाजिक समरसता।
- ● भाषा: संवाद लेखन और संवाद शैली।
- ● कला: पात्रों और घटनाओं का चित्रण।
- ● पर्यावरण अध्ययन: शहरी जीवन में पर्यावरणीय समस्याएँ।

आकलन (मूल्यांकन प्रारूप):

- ● एकांकी के मुख्य विचारों पर प्रश्नोत्तर।
- ● पात्रों की मनोस्थिति और व्यवहार का वर्णन।
- ● संवाद विश्लेषण के आधार पर लेखन कार्य।
- ● कक्षा में भूमिका-नाट्य प्रस्तुति का मूल्यांकन।
- ● कठिन शब्दों का अर्थ जानना और उपयोग।

संसाधन / डिजिटल / भौतिक:

- ● एनसीईआरटी 'मल्हार' हिंदी पाठ्यपुस्तक।
- ● कहानी/एकांकी का वीडियो वाचना।
- ● संवाद आधारित फ्लैशकार्ड और पोस्टर।
- ● नाट्य सामग्री एवं प्रस्तुति उपकरण।
- ● शहरी जीवन की तस्वीरें और रिपोर्ट।

विस्तार / वास्तविक जीवन में उपयोग:

- ● महानगरों की जीवन शैली की समझ और संघर्ष।
- ● पारिवारिक सहयोग और सामाजिक सम्मान का महत्व।
- ● जीवन के तनावमुक्त उपायों को अपनाना।
- ● सहनशीलता और मित्रता बढ़ाना।
- ● सामाजिक समझ और सहयोग से बेहतर जीवन।

21वीं सदी के कौशल, मूल्य शिक्षा, व्यवसायिक कौशल:

- ● संवाद और संचार कौशल।

- ● समस्या-समाधान और सहकार्य।
- ● सहिष्णुता, नैतिक निर्णय और सामाजिक जिम्मेदारी।
- ● टीम वर्क और नेतृत्व कौशल।
- ● तनाव प्रबंधन और मानसिक लचीलापन।

पोस्ट-टिचिंग रिफ्लेक्शन:

- ● क्या छात्रों ने महानगरों की समस्याओं को सही समझा?
- ● शिक्षण के किस पहलू में और सुधार संभव है?

सुधारात्मक शिक्षण के लिए योजना:

- ● पात्रों के व्यवहार और संवाद की पुनरावृत्ति।
- ● शहरी जीवन की कठिनाइयों पर और गहराई से चर्चा।
- ● संवादात्मक गतिविधि और समूह चर्चा को बढ़ावा देना।

कुल पीरियड: 3

यह पाठ योजना “नए मेहमान” एकांकी के माध्यम से विद्यार्थियों में शहरी जीवन की वास्तविकताओं का बोध, संवाद कौशल, सामाजिक समझ और जीवन मूल्य विकसित करने के लिए तैयार की गई है।

09...पाठ योजना – “आदमी का अनुपात” (कवि: गिरिजा कुमार माथुर)

शिक्षक: मेघराज मीना
पद: स्नात्कोत्तर शिक्षक

कक्षा: 8
विषय: हिंदी
पाठ का नाम: आदमी का अनुपात
पाठ योजना स्रोत: स्वयं एवं संसाधन-संग्रह
पाठ पढ़ाने हेतु आवश्यक कालखंड (पीरियड): 3

मुख्य अवधारणाएँ **(Concepts):**

- ● स्वयं: “मानव जीवन में सामाजिक द्वैत” — एक कमरे में रहने वालों के बीच दूरी और संघर्ष।
- ● संसाधन-संग्रह: “अहंकार, ईर्ष्या और भेदभाव” — सामाजिक और व्यक्तिगत रिश्तों में दूरी बनाना।
- ● स्वयं: “मानवता और सहिष्णुता की आवश्यकता” — आपसी समझ और प्रेम की प्रेरणा।

सीखने के परिणाम **(NCERT** अनुसार**):**

- ● छात्र कविता का भाव और सामाजिक संदेश स्पष्ट रूप से समझ पाएँगे।
- ● मनुष्य के मनोभाव और उसकी सामाजिक स्थिति का विश्लेषण कर सकेंगे।
- ● कविता में प्रयोग की गई भाषा और शैली की विशेषताओं को पहचानेंगे।
- ● सामाजिक भेदभाव और अहंकार से मुक्त जीवन के लिए जागरूक होंगे।
- ● कठिन शब्दों के अर्थ समझकर उनका सही प्रयोग कर पाएँगे।

शिक्षण विधियाँ / शैक्षणिक रणनीतियाँ**:**

- ● कविता का सुस्पष्ट पठान और भावार्थ पर चर्चा।
- ● पंक्ति-दर-पंक्ति अर्थ समझाने के लिए प्रश्नोत्तर।
- ● समूह चर्चा द्वारा सामाजिक भेदभाव के कारणों और उपायों पर संवाद।
- ● रचनात्मक लेखन – कविता के संदर्भ में विचार व्यक्त करना।
- ● भूमिका-नाट्य के माध्यम से कविता की प्रस्तुति।

अन्य विषयों के साथ समन्वयन**:**

- ● सामाजिक विज्ञान: समाज में भेदभाव और सह-अस्तित्व।
- ● नैतिक शिक्षा: सहिष्णुता, करुणा और सामाजिक समानता।
- ● भाषा: शब्दार्थ, छन्द, और कविता की संरचना।
- ● कला: कविता के भावों पर चित्रांकन एवं रंगोली।
- ● इतिहास: सामाजिक सुधार आंदोलनों का अध्ययन।

आकलन (मूल्यांकन प्रारूप):

- ● कविता के मुख्य भावों पर लघु उत्तर प्रश्न।
- ● सामाजिक भेदभाव पर निबंध अथवा संवाद लेखन।
- ● कठिन शब्दों की व्याख्या और वाक्य निर्माण।
- ● कक्षा में कविता का मौखिक प्रस्तुतीकरण।
- ● सह-शिक्षार्थी समीक्षा एवं समूह प्रस्तुति।

संसाधन / डिजिटल / भौतिक:

- ● मल्हार (एनसीईआरटी) हिंदी पुस्तक।
- ● कविता के ऑडियो और वीडियो संसाधन।
- ● चित्र, चार्ट और पोस्टर सामग्री।
- ● भूमिका-नाट्य के उपकरण एवं सामग्री।
- ● डिजिटल क्विज़ और अभ्यास कार्यपत्र।

विस्तार / वास्तविक जीवन में उपयोग:

- ● परिवार और समाज में सहिष्णुता का विकास।
- ● भेदभाव और अहंकार से मुक्ति की प्रेरणा।
- ● सामाजिक सद्भाव और प्रेम के महत्व को समझना।
- ● व्यावहारिक जीवन में सहकार्य और टीम वर्क अपनाना।
- ● व्यक्ति के अंतरमन व सामाजिक व्यवहार के बीच संतुलन।

21वीं सदी के कौशल, मूल्य शिक्षा, व्यवसायिक कौशल:

- ● आलोचनात्मक सोच और सामाजिक जागरूकता।
- ● संवाद और सहकार्य कौशल।
- ● नेतृत्व और समस्या समाधान क्षमता।
- ● नैतिक मूल्यांकन और जिम्मेदारी भावना।
- ● सृजनात्मक अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास।

पोस्ट-टिचिंग रिफ्लेक्शन:

- ● क्या विद्यार्थियों ने सामाजिक द्वैत और सामंजस्य को समझा?

- ● शिक्षण पद्धति में किन सुधारों की आवश्यकता प्रतीत हुई?

सुधारात्मक शिक्षण के लिए योजना:

- ● कठिन अंशों पर पुनरावृत्ति एवं स्पष्ट व्याख्या।
- ● सामाजिक व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझ बढ़ाना।
- ● समूह गतिविधियाँ और संवादात्मक कक्षा संचालन।

कुल पीरियड: 3

यह पाठ योजना "आदमी का अनुपात" कविता के माध्यम से विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता, नैतिक मूल्यों और भाषा कौशल का विकास करने हेतु तैयार की गई है।

10...पाठ योजना – “तरुण के स्वप्न” (लेखक: सुभाषचंद्र बोस)

शिक्षक: मेघराज मीना
पद: स्नात्कोत्तर शिक्षक
कक्षा: 8
विषय: हिंदी
पाठ का नाम: तरुण के स्वप्न
पाठ योजना स्रोत: स्वयं एवं संसाधन-संग्रह
पाठ पढ़ाने हेतु आवश्यक कालखंड (पीरियड): 3

मुख्य अवधारणाएँ **(Concepts):**

- ● स्वयं: “स्वप्न और उद्देश्यपूर्ण जीवन” – समाज और राष्ट्र के लिए उच्च आदर्श।

- ● संसाधन-संग्रह: “स्वतंत्रता, समानता और समृद्धि” – समाज के सभी वर्गों की बराबरी।
- ● स्वयं: “त्याग और प्रेरणा” – कठिनाइयों के बावजूद लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समर्पण।

सीखने के परिणाम **(NCERT** अनुसार**):**

- ● छात्र पाठ का मुख्य भाव और लेखक के स्वप्न को समझ पाएँगे।
- ● व्यक्तित्व विकास में देशभक्ति और समर्पण का महत्त्व जानेंगे।
- ● सामाजिक न्याय, समानता और स्वाधीनता की अवधारणाएँ स्पष्ट कर सकेंगे।
- ● कठिन शब्दों व वाक्यों का अर्थ समझकर भाषा कौशल बढ़ाएँगे।
- ● प्रेरणादायक विचारों को अपने दैनिक जीवन में लागू करने की क्षमता विकसित करेंगे।

शिक्षण विधियाँ **/** शैक्षणिक रणनीतियाँ**:**

- ● पाठ का भावपूर्ण वाचन व अर्थ-विवरण कराना।
- ● पंक्ति-दर-पंक्ति अर्थ समझाने हेतु प्रश्नोत्तर सत्र।
- ● समूह चर्चा में सामाजिक समानता और राष्ट्रवाद पर संवाद।
- ● प्रेरणादायक वीडियो/ऑडियो क्लिप से पाठ की गहराई बढ़ाना।
- ● रचनात्मक लेखन: स्वप्न और लक्ष्य पर छात्रों से निबंध या अनुच्छेद लिखवाना।

अन्य विषयों के साथ समन्वयन**:**

- ● सामाजिक विज्ञान: स्वतंत्रता संग्राम और सामाजिक न्याय की बातें।
- ● नैतिक शिक्षा: त्याग, समर्पण और सहनशीलता का विकास।
- ● हिंदी भाषा: कठिन शब्दावली और साहित्यिक शैली की समझ।
- ● कला: आदर्श समाज के चित्र प्रस्तुति।
- ● इतिहास: सुभाषचंद्र बोस का जीवन एवं योगदान।

आकलन **(**मूल्यांकन प्रारूप**):**

- ● पाठ के मुख्य विषयों पर लघु उत्तरीय प्रश्न।
- ● सामाजिक समानता और स्वाधीनता पर निबंध लेखन।
- ● कठिन शब्दों का अर्थ और उपयोग।
- ● समूह वाद-विवाद या प्रस्तुति।
- ● प्रेरणादायक विचारों पर व्यक्तिगत अनुभव साझा करना।

संसाधन / डिजिटल / भौतिक:

- ● एनसीईआरटी हिंदी ‘मल्हार’ पुस्तक।
- ● सुभाषचंद्र बोस के प्रेरक भाषणों के वीडियो/ऑडियो।
- ● भूमिका-नाट्य और संवाद प्रस्तुति सामग्री।
- ● चित्र, पोस्टर और चार्ट।
- ● डिजिटल क्विज़ और अभ्यास कार्यपत्र।

विस्तार / वास्तविक जीवन में उपयोग:

- ● अपने जीवन में उच्च लक्ष्य और स्वप्न स्थापित करना।
- ● देशभक्ति भावना और सामाजिक समानता के प्रति जागरूकता बढ़ाना।
- ● कठिनाइयों के बावजूद प्रयास जारी रखना सीखना।
- ● त्याग तथा समर्पण की भावना विकसित करना।
- ● समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरणा लेना।

21वीं सदी के कौशल, मूल्य शिक्षा, व्यवसायिक कौशल:

- ● नेतृत्व और टीम कार्य कौशल।
- ● आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान।
- ● संवाद और सार्वजनिक अभिव्यक्ति कौशल।
- ● नैतिक निर्णय लेने की क्षमता।
- ● आत्म-प्रेरणा और मानसिक लचीलापन।

पोस्ट-टिचिंग रिफ्लेक्शन:

- ● क्या छात्र पाठ के प्रेरक विचारों को समझ और आत्मसात कर पाए?
- ● शिक्षण पद्धति में कौन से सुधार आवश्यक प्रतीत हुए?

सुधारात्मक शिक्षण के लिए योजना:

- ● कठिन शब्दों तथा वाक्यों पर पुनरावृत्ति।
- ● सामाजिक समानता व त्याग विषय पर और संवाद।
- ● पाठ से संबंधित जीवन-मूल्य व अनुभव साझा करने की गतिविधियाँ।

कुल पीरियड: 3

यह पाठ योजना “तरुण के स्वप्न” पाठ के माध्यम से विद्यार्थियों में देशभक्ति, सामाजिक समानता और व्यक्तिगत समर्पण के मूल्य विकसित करने हेतु तैयार की गई है।